

- (=curiosity). II. In pl., for the eye : उपनेत्रम् (?).
- SPECTATOR : (1) प्रेक्षक (f. क्षिका), uttered by s.s. : प्रेक्षकैरिताः, Mah. i. 133. 13. ; (2) प्रेक्षक-जनः or -लोकः ; (3) द्रष्टृ (f. दृष्टी) ; (4) दर्शक (f. शिका), परि-.
- SPECTRAL : by comp. : v. Also ghastly.
- SPECTRE : (1) भूत (mn.) : v. Ghost ; (2) छाया : v. Shade.
- SPECTRUM : solar s. : *सौरदर्शनम्.
- SPECULATE : I. To consider, meditate : q.v. : विचारयति (c. of चर्). II. To guess : q.v. : विकल्पयति (c. of कृप्). III. In commerce . perh. कपालं सेवते.
- SPECULATION : I. Meditation, consideration : q.v. : विचारः. II. In commerce : *कपालसेवा. III. Guess : q.v. : विकल्पः.
- SPECULATIVE : विचारसेविन् (f. नी). Ph. : s. philosophy : दर्शनशास्त्रम्.
- SPECULATOR : I. Philosophical : मीमांसक (f. सिका). II. Commercial : *कपालसेवक (f. विका) or -सेविन् (f. नी).
- SPEECH : I. The faculty : (1) वाच् (f.) ; (2) वाक्शक्तिः. II. Language : q.v. : वाच्. III. Utterance, address : (1) वाच् (f.) or वचस् (n.) ; (2) गिर् (f.) ; (3) वाणी ; (4) सरस्वती ; (5) भारती : v. Also saying.
- SPEECHLESS : मूकः (का, कं) : v. Silent, dumb.
- SPEED : (1) वेगः, motion at full s. : पूर्णवेगा गतिः, M.n. ; (2) ज्वः, by the s. of the current : स्रोतो-ज्वेन, Mah. ; (3) रंहस् (n.), s. of wind : मास्तस्य रंहः, R. ii. 34. ; (4) त्वरा : v. Haste ; (5) शीघ्रता : v. Quickness. Ph. : may you have god s. on your way : तव वर्त्मनि वर्ततां शिवम्, N.
- SPEED (v.) : शिवं or क्षेमं or मङ्गलं करोति (with gen.).
- SPEEDILY : (1) आशु ; (2) तूर्णम् : v. Quickly.
- SPEEDY : (1) by adv., and may your meeting be s. : पुनरस्तु त्वरितं समागमः, N. ii. 62. ; (2) शीघ्र (f. घ्रा=quick) ; (3) ज्वन (f. ना=swift).
- SPELL (subs.) : I. Sub. : (1) मन्त्रः ; (2) तन्त्रम्. II. Verb : वर्णयति (वर्ण, c. 10. : comp. Bengali Bānana).
- SPELLING (subs.) : v. To spell. Ph. : vocabulary of words having two s.s. (forms) : द्विरूपकोषः ; s.-book : *वर्णशिक्षा (comp. वर्णपरिचय of Vidyāsāgara).
- SPELT : a kind of corn : नीवारः (??).
- SPEND : I. To expend : (1) व्ययति, -ते (व्यय, c. 1.), s.ing at pleasure : व्ययमानः स्ववाञ्छया, H. ii. 95. ; (2) उत्-सृजति, वि-, समुत् (सृज, c. 6.), s.ing money : धनोत्सर्गं करोति, Ram. ; (3) त्यजति, परि-, सं-, (त्यज, c. 1.), receives much, s.s little : तनुत्यागो बहुग्रहः, H. ii. 91. II. To pass : q.v. : क्षपयति (c. of क्षप्).
- SPENDTHRIFT : (1) अतिव्यय (f. या), H. ; (2) अतिव्ययिन् (f. नी) ; (3) त्यागशालिन् (f. नी) ; and sim. comp.s.
- SPREW : वमति (वम्, c. 1.) : v. To vomit.
- SPHERE : I. A globe : गोलः, celestial s. : खगोलः, Go. ; lunar s. : चन्द्राधिष्ठानगोलः, Su. com. II. Province, department : expr. by कर्म (= work) or क्षेत्रम् (= field).
- SPHERICAL : (1) गोलाकारः (रा, रं) ; (2) by गोलः.
- SPHERICS : (1) गोलः, an astronomer not knowing s. : गोलानभिज्ञो गणकः, Go. 3. ; (2) गोलग्रन्थः or गोलप्रबन्धः (=a work on s.), Go. (गोलाध्याय is the part on S. in S.s).
- SPHEROID : *उपगोलः (अण्डम्=egg may prop. be used for prolate s.s).
- SPHINX : *नरसिंही.
- SPICE (subs.) : गन्धद्रव्यम्, s.s. : कर्पूरादिवर्गः, Bha. ; the three s.s. : त्रिसुगन्धि or त्रिजातकम्, Bha. ; the four s.s. : चतुर्जातकम्, Bha.
- SPIGE (v.) : वासयति, अधि- (वास्, c. 10.), well s.d with cloves and camphor : लवङ्गेन्दुसुवासित (f. ता), Bha.
- SPICY : (1) सुगन्धि (mfn. =fragrant) ; (2) वासित (f. ता=spiced).
- SPIDER : (1) ऊर्णनामः ; (2) मर्कटः ; (3) लूता, s's web : लूताजालम् ; (4) तन्तुनामः, the s. also spins its web itself : तन्तुनामश्च स्वत एव तन्तून् सृजति, S. ii. 1. 25.
- SPIKE (subs.) : I. Of flowers : (1) मञ्जरी ; (2) बह्वरी. II. Of grain : (1) कणिशम् ; (2) शीर्षम् (=head). III. A large nail : महाकीलः (?).